शातिर भू-माफिया जगदीश नारायण पुलिस के हत्थे चढ़ा

आरोपी ने काश्तकारों को उनकी जमीन के पैसे दिए बिना ही कागजों में कॉलोनियां काटी, फिर आमजन को करोड़ों रु. के भूखंड भी बेच डाले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक शातिर भू माफिया जगदीश नारायण को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि काश्तकारों को बिना रकम दिए कागजों में कॉलोनियां काट करोड़ों के भूखंड बेचे है। साथ ही भू माफिया जगदीश नारायण जयपुर के कई इलाकों में 151 लोगों के साथ धोखाधडी कर चुका है। आरोपित के खिलाफ कई थानों में आपराधिक मामले भी दर्ज है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए काश्तकारों को बिना रकम दिए कागजों में कॉलोनियां काट करोड़ों के भूखंड बेच ठगी करने वाले शातिर भू माफिया जगदीश नारायण निवासी प्रताप नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ शिवदासपुरा,शिप्रापथ,सांगानेर सहित अन्य थानों में धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज है। इसके अलावा जयपुर के कई इलाकों में 151 लोगों के साथ धोखाधडी कर चुका है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

- **जयपुर में 151 से ज्यादा लोगों के साथ इस तरह की धोखाधड़ी कर चुका है आरोपी**

राज्य सेवा से आई.ए.एस. में प्रमोशन के लिए मंथन शुरू

जयपुर (कासं)। वर्ष 2024 के लिए स्टेट सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) में प्रमोशन को लेकर मंगलवार को नई दिल्ली में बोर्ड बैठक का आयोजन हुआ। सूत्रों की मानें तो 2024 के लिए प्रमोशन के जरिये चयन के लिए 19 पद निर्धारित हैं। जिसके लिए इस बार 1997 और 1998 बैच के अधिकारी दावेदार हैं।

वर्ष 1997 बैच में डॉ. राकेश कुमार शर्मा, नवनीत कुमार, सुखवीर सैनी, जसवंत सिंह, हरफूल सिंह यादव, राजेश वर्मा, सुरेशचंद्र, महेन्द्र कुमार खींची, अजीत सिंह राजावत, अवधेश सिंह, राकेश शर्मा, जगवीर सिंह, बृजेश कुमार चांदोलिया और डॉ. हरसहाय मीणा को प्रमुख दावेदारों में शामिल माना जा रहा है। इसी प्रकार वर्ष 1998 बैच में जुगल किशोर मीणा, ललित कुमार, डॉ. शिवप्रसाद सिंह और मेघना चौधरी प्रमुख दावेदार हैं। बताया जा रहा है कि रिक्त 19 में से 18 पदों पर ही प्रमोशन के ज़रिए चयन हो सकता है। जबकि शेष एक पद के लिए प्रकरण डेफ़र्ड होना भी संभव प्रतीत हो रहा है। इस बैठक में राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल और केके पाठक भी शामिल हुए थे।

मंत्री जोगाराम पटेल ने गलता तीर्थ पर विकास कार्यों का जायजा लिया

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत श्रमदान किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर जिला प्रशासन के प्रयासों से आमजन की आस्था का केन्द्र मंदिर ठिकाना गलता जी परिसर का कायाकल्प हुआ है। श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं में काफी विस्तार हुआ है साथ ही साफ-सफाई, जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण के चलते परिसर में मंदिर ठिकाना श्री गलता जी परिसर की अनुपम छटा की सहज अनुभूति होती है। जिला प्रशासन द्वारा करवाये गए विभिन्न विकास कार्यों का ही परिणाम है कि आज इस तीर्थ स्थल की तस्वीर बदली हुई नजर आ रही है। यह कहना है जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल का।

जयपुर जिला प्रभारी मंत्री डॉ. जोगाराम पटेल और महापौर कुसुम यादव ने मंगलवार को गलता तीर्थ परिसर में पौधारोपण किया।

प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को मंदिर ठिकाना गलता जी में विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने गलता जी मंदिर के दर्शन किये एवं पूजा अर्चना कर प्रदेश में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस मौके पर प्रभारी मंत्री ने ऋषि गालव कुंड में श्रमदान किया वहीं, उन्होंने पवित्र कुंड पर गंगा पूजन एवं गंगा आरती में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया और हरियालो राजस्थान अभियान की सफलता की कामना की। इस मौके पर नगर निगम हैरिटेज की महापौर कुसुम यादव भी मौजूद रहीं।

आयोजन स्थल पर उपस्थित आमजन को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में जल संरक्षण एवं जल संचयन की लिए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का आगाज किया है। राज्य सरकार राजस्थान को जल स्वावलंबी बनाने के लिए कृत संकल्पित है इस दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह अभियान भागीरथी एवं ऐतिहासिक फैसला साबित होगा।

इसके पश्चात प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने आरटीडीसी गेस्ट हाउस में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जिला प्रशासन द्वारा मंदिर ठिकाना श्री गलता जी में किये जा रहे विकास कार्यों का प्रस्तुतिकरण दिया। इस दौरान जोगाराम पटेल ने जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। बैठक में आयुक्त नगर निगम जयपुर ग्रेटर रुक्मणी रियार, आयुक्त जयपुर नगर निगम हेरिटेज अरुण कुमार हसीजा, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने अपने विभाग से संबंधित विकास कार्यों का प्रस्तुतिकरण दिया।

प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने अधिकारियों को आगामी मानसून सीजन की समय रहते समस्त आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शहर में जल भराव वाले इलाकों में जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, नालों की सफाई का शेष कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कर लिया जाए, वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत जिले के जल स्त्रोतों की साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया जाए। प्रभारी मंत्री ने परिसर में स्थित गौशाला का निरीक्षण किया एवं गायों को हरा चारा भी खिलाया।

बैठक के पश्चात प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने आमगढ़ अभ्यारण्य एवं जग्गा की बावड़ी में भी वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल स्त्रोतों पर हुए विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पेड़ों पर परिंडे बांधे एवं अधिकारियों से वन्य पर्यटन की संभानाओं को लेकर चर्चा की।

परिजनों ने नहीं उठाया रेजिडेंट डॉ. राकेश का शव

एस.एम.एस. अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर परिजनों और समर्थकों का धरना जारी

जयपुर (कासं)। जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल परिसर स्थित पीजी हॉस्टल में रेजिडेंट डॉ. राकेश बिश्नोई की आत्महत्या करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मंगलवार को परिजन सहित अन्य लोग जयपुर के एसएमएस अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर धरने पर बैठ गए और न्याय की मांग की। धरना स्थल पर सांसद हनुमान बेनीवाल सहित कई अन्य नेता भी मौके पर पहुंचे।

हालांकि जोधपुर के शास्त्रीनगर थाने में रविवार रात डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में फार्माकोलॉजी विभागाध्यक्ष राजकुमार राठौड़ के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया गया, लेकिन कार्रवाई नहीं किए जाने से परिजनों में आक्रोश व्याप्त है। जयपुर एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखे डॉ. राकेश के शव को दूसरे दिन मंगलवार को भी परिजनों ने नहीं लिया गया। परिजन ने पोस्टमार्टम भी नहीं करवाया। सांसद हनुमान बेनीवाल ने एसएमएस अस्पताल पहुंचकर परिजन का ढांढ़स बंधाया और कहा कि यह कोई साधारण मामला नहीं है, बल्कि चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में व्याप्त शोषण, मानसिक उत्पीड़न और अकादमिक दबाव की भयावह तस्वीर है। यह पूरे चिकित्सा तंत्र पर सवाल खड़े करता है। सरकार मेडिकल कॉलेजों में हो रहे अत्याचारों से या तो बेखबर है या जानबूझकर आंखें मूंदे बैठी है। उन्होंने मांग की कि मृतक डॉक्टर के परिजनों को आर्थिक सहायता दी जाए व एक परिजन को सरकारी नौकरी दी जाए।

- **मथुरादास माथुर अस्पताल जोधपुर परिसर स्थित पीजी हॉस्टल में रेजिडेंट डॉ. राकेश बिश्नोई की आत्महत्या के मामले ने तूल पकड़ा**

15 दिन में खाली पद भरने का निर्देश

जयपुर । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस वॉर रूम जयपुर पर भरतपुर, अजमेर, जोधपुर तथा बीकानेर संभाग के विधानसभा क्षेत्रों में नियुक्त विधानसभा समन्वयकों की बैठक ली तथा प्रत्येक से व्यक्तिगत वन-टू-वन संवाद कर क्षेत्र के संगठनात्मक गतिविधियों का फीडबैक लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। सभी को निर्देशित किया गया कि खाली पड़े पदों को अगले पंद्रह दिन में भरकर पीसीसी को सूचित करें। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने विधानसभा समन्वयकों से संगठन सृजन अभियान के तहत् क्षेत्र में किए गए कार्यों, बैठकों में स्थानीय नेताओं की उपस्थिति तथा सक्रियता के संबंध में विस्तृत चर्चा की तथा रिपोर्ट प्राप्त कर स्थानीय संगठन को लेकर व आगामी कांग्रेस के कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश प्रदान किए। डोटासरा ने सभी समन्वयकों से उनके विधानसभा क्षेत्रों में सक्रिय कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को लेकर चर्चा की तथा निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं के आगामी चुनावों के लिए विशेष रूप से चर्चा कर मण्डल एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों की इन चुनावों में भूमिका हेतु निर्देश दिए।

प्रदेश की सरस डेयरियां करेंगी योग कार्यक्रमों का आयोजन

जयपुर । अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और योग की महत्ता को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की ओर से सम्पूर्ण राज्य को "योग मय" बनाने की तैयारी की जा रही हैं। आरसीडीएफ की प्रशासक एवं प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज ने सभी जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघो को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह पूर्वक मनाने के लिए निर्देशित किया हैं। राज्य भर में सरस की सभी विज्ञापन साइटस पर योग के महत्व को रेखांकित करते हुए "स्वस्थ जीवन की ओर एक कदम" वाले आकर्षक आकर्षक होर्डिंग्स भी लगाए गए हैं।

आरसीडीएफ द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर 20 जून को सायं 5:30 बजे जयपुर के सेंट्रल पार्क के गेट नं. 3 स्थित लोन में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गोपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री जोराराम कुमावत होंगे। गृह एवं गोपालन राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम सहित अनेक गणमान्य अतिथि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

इस विशेष अवसर पर योगाचार्य डॉ. महेंद्र सिंह राव के नेतृत्व में सामूहिक योग सत्र का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्राणायाम, ध्यान, एवं सरल योगासनों का अभ्यास सिखाया जाएगा। प्रतिभागियों को जीवन में योग की उपयोगिता और उनके व्यावहारिक पक्षों से भी परिचय कराया जायेगा। सेंट्रल पार्क में आरसीडीएफ द्वारा प्रतिष्ठित निजी चिकित्सालयों के साथ मिलकर नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में प्रतिभागी बीपी, ब्लड शुगर जैसी सामान्य जाँचे नि:शुल्क करा सकेंगे और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी चिकित्सा परामर्श नि:शुल्क दी जाएगी।

- **जयपुर स्थित सेंट्रल पार्क में 20 जून को योगाचार्य डॉ. महेंद्र सिंह राव आमजन को सिखाएंगे योग के गुर**

अभ्यर्थियों की मांग का समर्थन किया

जयपुर । राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष ने 1 ग्रेड परीक्षा स्थगित करने की मांग की है। जूली ने कहा कि आगामी परीक्षाओं की तिथि के टकराव से युवाओं में असमंजस है प्रदेश में 23 जून से 4 जुलाई तक द्वारा व्याख्याता भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है, वहीं 25 जून से 29 जून तक - परीक्षा भी निर्धारित है। इन दोनों परीक्षाओं में बहुत सारे अभ्यर्थी कॉमन हैं। उन्होंने कहा कि एक ही समय में दो महत्वपूर्ण परीक्षाएं होने से युवा अभ्यर्थियों के समक्ष असमंजस और मानसिक दबाव की स्थिति बनी हुई है। दोनों परीक्षाएं युवाओं के भविष्य से जुड़ी हैं और ऐसे में तिथियों का टकराव उनके अधिकारों और अवसरों के साथ अन्याय है।

सार-समाचार

जीवन रक्षक तकनीकों पर सत्र आयोजित

जयपुर । राजस्थान अस्पताल के डॉ. महेश अरोड़ा ने मंगलवार को पुलिस लाइन जयपुर में पुलिस अधिकारियों के लिए लाईफ सेविंग टेक्नीक्स् पर पाँच दिवसीय जागरूकता सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि "बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) तकनीकें महत्वपूर्ण कौशल हैं जो जीवन और मृत्यु के बीच अंतर कर सकती हैं। एबीसी अनुक्रम - एयरवे, ब्रिथिंग और सर्कुलेषन को समझने और अभ्यास करने से आप आपात स्थिति में तेजी से और प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए तैयार हो सकते हैं। याद रखें, प्रारंभिक और प्रभावी बीएलएस न केवल जीवित रहने की संभावनाओं को बढ़ाता है बल्कि कम्युनिटी को फर्स्ट रेस्पोन्डेंट बनने के लिए सशक्त बनाता है। इसलिए, इन जीवन रक्षक तकनीकों को सीखने की पहल करें और अपने कम्युनिटी में महत्वपूर्ण प्रभाव डालें। यह कार्यक्रम भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा राजस्थान अस्पताल, जयपुर के सहयोग से किया गया। सीआईआई राजस्थान के वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख नितिन गुप्ता ने बताया कि सीआईआई राजस्थान ने जयपुर कमिश्नरेट के रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस अधिकारियों के लिए जीवन रक्षक तकनीकों पर जागरूकता सत्र आयोजित किए हैं। प्रत्येक सत्र में 40-42 पुलिस कर्मियों ने भाग लिया और इन सत्रों के माध्यम से 400 से अधिक पुलिस कर्मियों को लाभ मिला है। गुप्ता ने यह भी कहा कि हमें राजस्थान के अलवर, उदयपुर, किशनगढ आदि विभिन्न पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों से अनुरोध प्राप्त हुए हैं और अब हम इन सत्रों को आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। सत्र के दौरान प्रवीण देवल, डिप्टी डायरेक्टर, सीआईआई राजस्थान, आशीष पाठक, एग्जेक्युटीव ऑफिसर, सीआईआई राजस्थान, सपना पुनिया, संचित निरीक्षक और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

शिक्षा विभाग को अवमानना नोटिस

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद 30 जून को रिटायर हुई शिक्षिका को सालाना वेतन वृद्धि से जुडे अन्य लाभ नहीं देने पर प्रमुख शिक्षा सचिव और शिक्षा निदेशक को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश उर्मिला शर्मा की अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि राज्य सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए सालाना वेतन वृद्धि के लिए एक जुलाई की तिथि तय कर रखी है। इसके चलते एक दिन पहले तीस जून को रिटायर होने वाले कर्मचारी इस वेतन वृद्धि से महरूम हो जाते हैं। याचिकाकर्ता भी पूर्व में तीस जून को रिटायर हुई थी। ऐसे में उसे भी एक वेतन वृद्धि नहीं दी गई। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा गया था कि कर्मचारी एक साल काम पूरा करने के बाद यह वेतन वृद्धि लेता है। ऐसे में याचिकाकर्ता ने पूरे साल काम किया, लेकिन आखिरी दिन रिटायर हो गई। ऐसे में उसे वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता को एक वेतन वृद्धि सहित इससे जुडे अन्य परिलाभ देने के आदेश दिए थे। याचिका में कहा गया कि विभाग ने अदालती आदेश पर एक वेतन वृद्धि का लाभ तो दिया, लेकिन इससे जुडे पीएल व ग्रेच्युटी सहित अन्य परिलाभ नहीं दिए।

राहत अभियान का आगाज आज

जयपुर । सोसायटी फॉर पब्लिक ग्रिवान्सेज की ओर से "राहत अभियान -2025" का आगाज 18 जून को होगा। सुबह 5 बजे से दोपहर 12 बजे तक संस्था की ओर से कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मुख्य आयोजन परकोटे में चौड़ा रास्ता स्थित ताडकेश्वर महादेव मंदिर पर होगा, जहां भगवान को विशेष पोशाक धारण करवाकर और श्रृंगार के बाद महाआरती व पूजा समारोह आयोजित किया जायेगा। श्री राधा दामोदर मंदिर चौड़ा रास्ता में इसके बाद जल यात्रा, श्रृंगार व महाआरती होगी। अभियान के तहत जयपुर शहर में जरूरतमंदों को तेज धूप, गर्मी और बारिश से राहत दिलाने के लिए छतरी वितरण का कार्यक्रम भी रखा गया है।

राजेश गुर्जर ने की सीएम से मुलाकात

जयपुर । राजेश गुर्जर ने मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से आत्मीय मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान राजेश गुर्जर ने जिला में चल रहे संगठनात्मक गतिविधियों के साथ विकास कार्यों पर चर्चा की एवं पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की व कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की।

लूट का प्रयास करने वाले पुलिस की पकड़ से दूर

जयपुर । बजाज नगर थाना इलाके में एक ज्वेलरी शोरुम में सोमवार दोपहर तीन बदमाशों ने लूट का प्रयास किया था लेकिन ज्वैलर ही हिम्मत के चलते बदमाशों को वापस लौटना पड़ा। फिलहाल बदमाश पुलिस की पकड़ से दूर है। पुलिस ने बदमाशों की धरपकड़ के लिए तीन टीमों का गठन किया है। इसके साथ ही पुलिस घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

थानाधिकारी सुरेंद्र सैनी ने बताया कि फिलहाल बदमाशों को लेकर कोई सुराग नहीं लगा है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यह तो कहा जा सकता है कि वारदात में किसी बड़ी गैंग का हाथ नहीं है। सीसीटीवी को दो लड़के नजर आ रहे है। बदमाशों को पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया गा है। घटना स्थल के अलावा अन्य जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। फिलहाल तो जयपुर में ही बदमाशों की खोजबीन की जा रही है। गौरतलब है कि बजाज नगर के अर्जुन नगर फाटक पर प्रमोद श्रीमाल का पीएस ज्वेलर्स नाम से शोरुम है। सोमवार दोपहर वह शोरुम पर अकेले बैठे थे। दोपहर करीब 3:10 बजे एक युवक आया। कस्टमर बनकर आए युवक ने जेंट्स के कानों की बाली मांगी। उसे मना किया। दूसरा युवक आ गया। दूसरे युवक ने सोने की चेन मांगी। उसे कहा कि हमारे पास सोने की चेन नहीं मिलती। इसके लिए पहले ऑर्डर देना पड़ता है। तब तक तीसरा युवक दुकान में आ गया। उसने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था।

'शैक्षिणक विरासत के महत्वपूर्ण केन्द्र हैं संग्रहालय'

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारत ज्ञान विज्ञान में विश्वभर में अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने हमारी धरोहर को अपनाकर उसे निरंतर अपना बताया हैं। उन्होंने नई पीढ़ी को अतीत की धरोहर से जुड़े संग्रहालयों से जोड़ प्राचीन ज्ञान की आधुनिकी के लिए कार्य करने का आव्हान किया है।

बागडे ने मंगलवार को संजय शर्मा म्यूजियम एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के भ्रमण के दौरान यह बात कही। उन्होंने संग्रहालय में प्राचीन भारत के ज्ञान विज्ञान और आविष्कारों से जुड़ी दुर्लभ वस्तुओं का अवलोकन किया और कहा यह सब भारत के विश्वगुरु होने का प्रमाण है। राज्यपाल ने संग्रहालय में कागजों के निर्माण से लेकर समय गणना के यंत्रों, कलाकृतियों और विज्ञान से जुड़े संदर्भों का भी अवलोकन किया। उन्होंने

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने मंगलवार को संजय शर्मा संग्रहालय एवं शोध संस्थान का अवलोकन किया।

वहां संगृहीत पुरा वस्तुओं, कलाकृतियों और प्राचीन इतिहास और ज्ञान विज्ञान से जुड़ी दुर्लभ पांडुलिपियों का विशेष रूप से अवलोकन किया। उन्होंने संग्रहालय में भारत के विभिन्न प्रांतों से जुड़ी संस्कृति, धरोहर और प्राचीन वस्तुओं के इस संग्रह को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि निजी स्तर पर किया यह प्रयास सराहनीय है।

राज्यपाल ने प्राचीन अंक गणना, ज्योतिष, खगोलीय गणना और पंचाग से जुडे समय सिद्धांतों की दुर्लभ कलाकृतियां, प्राचीन यंत्रों और देश के विभिन्न भागों के कला स्कूलों की कला कृतियों का बारीकी से अवलोकन किया। इतिहास से जुडे महत्वपूर्ण संदर्भों के कलात्मक संग्रह को उन्होंने राज्य की अनुपम धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि संग्रहालय इतिहास की वह खिडकी है, जिससे अतीत को जान समझ कर भविष्य की राह बनाई जाती है। राज्यपाल को संग्रहालय पहुंचने पर वहां की विभिन्न दीर्घाओं में संग्रहित वस्तुओं के बारे में सचिव तिलक शर्मा ने जानकारी दी।

'एकमुश्त समझौता योजना से मिल रहा किसानों को संबल'

प्रदेश में अब तक 3410 ऋणी सदस्यों को मिली 44 करोड़ रुपये के ब्याज की राहत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा भूमि विकास बैंकों के अवधिपार ऋणियों के लिए लागू की गई मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025-26 के प्रति किसानों एवं लघु उद्यिमयों में उत्साह नजर आ रहा है। योजना का लाभ प्राप्त कर ऋणी किसानों का जीवन बदल रहा है और वे फिर से मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत अब तक 3410 ऋणी सदस्यों द्वारा 33 करोड़ रुपये मूलधन जमा करवाया जा चुका है तथा राज्य सरकार द्वारा 44 करोड़ रुपये की राहत प्रदान की जा चुकी है।

दक ने बताया कि योजना के अंतर्गत पात्र ऋणी सदस्य द्वारा अवधिपार ऋण का केवल मूलधन चुकाने पर राज्य सरकार द्वारा अवधिपार ब्याज में शत प्रतिशत राहत दिए जाने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 36 प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों के कुल 30,010 ऋणी सदस्य योजना के तहत राहत के लिए पात्र हैं। इन ऋणी सदस्यों द्वारा 326 करोड़ रुपये का मूलधन जमा करवाये जाने पर 534 करोड़ रुपये की राहत देय होगी। सहकारिता मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पर्याप्त प्रचार-प्रसार से योजना की जानकारी जन-जन तक पहुंच चुकी है, जिससे पात्र ऋणी सदस्य योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना के तहत प्राथमिक भूमि विकास बैंक अलवर की लक्ष्मणगढ़ शाखा की ओर से ऋणी बलजीत व अन्य को राहत दी गई।

- **योजना के तहत प्रदेश के सबसे बड़े अवधिपार खाते का हुआ निस्तारण**
- **अलवर जिले के बलजीत मेव को मिली 37.23 लाख रुपये की बड़ी राहत**

बलजीत के परिवार का जीवन बदला

सहकारिता मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025-26 के अंतर्गत सोमवार को प्रदेश के सबसे बडे अवधिपार खाते का निस्तारण हुआ है। प्राथमिक भूमि विकास बैंक, अलवर की लक्ष्मणगढ़ शाखा के ऋणी सदस्य कठूमर तहसील के टिटपुरी ग्राम निवासी बलजीत व अन्य पुत्र छज्जू मेव को यह राहत प्रदान की गई है। ऋणी द्वारा 18.61 लाख रुपये का मूलधन जमा कराये जाने पर योजना के अंतर्गत 37.23 लाख रुपये के ब्याज की राहत प्रदान की गई। इस प्रकार, 55.84 लाख रुपये के अवधिपार खाते का निस्तारण किया गया।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में नीलामी के दौरान बोलीदाता के अभाव में बैंक द्वारा राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम, 2001 की धारा 103 के तहत ऋणी की भूमि बैंक के पक्ष में करवाई गई थी। अब योजना के अंतर्गत खाते का निस्तारण होने से भूमि पुन: श्री बलजीत मेव के स्वामित्व में आ जाएगी, जिससे वे अपने परिवार का गुजारा आसानी से चला पाएंगे।

बलजीत मेव और उनके परिवार ने इस बड़ी राहत के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मुक्त कंठ से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारी अवधिपार ऋण और जमीन बैंक के पक्ष में होने की वजह से वे चिन्ता और आशंकाओं से घिरे हुए थे, लेकिन योजना का लाभ मिलने से अब उन्हें परेशानियों से छुटकारा मिल गया है। योजना से उन्हें फिर से सम्मान सहित जीवन जीने का अवसर मिला है।